ओम शान्ति 9-5-14 मुम्बई

दादी जानकी जी तथा देश विदेश के सर्व भाई-बहनों प्रति बापदादा का मधुर सन्देश

- गुल्जार दादी

आज बापदादा के पास विशेष अपनी मीठी दादी की याद लेके गई। तो बाबा बोले बच्ची आपकी सखी कैसी है? फिर बाबा दृष्टि देते हुए बोले कि आपकी सखी (जानकी दादी) हिम्मत वाली है। बीमार होते भी सेवा कर रही है क्योंकि अपनी सूरत से बाप की सूरत दिखाने वाली है। याद में इसेन्सफुल और सेवा में सेन्सीबुल वरदानी रतन है। दृढ़ता की चाभी द्वारा सफलता प्राप्त करने वाली है इसलिए बच्ची से सबका प्यार है। बच्ची का हर बोल भी सबको प्यारा लगता है। बीमारी में भी न्यारी और प्यारी अपने को रखती है। सभी आते हैं दृष्टि लेने के लिए तो बीमारी के रूप में नहीं देखते क्योंकि बच्ची उसी सेवा के रूप में रहती है। तो सभी दृष्टि लेके मिलके खुश हो जाते हैं।

उसके बाद बापदादा को सभी देश-विदेश के ब्राह्मण बच्चों की याद दी। तो बाबा बोले कि वर्तमान समय बापदादा यही चाहते हैं कि एक-एक बच्चा अभी संगमयुग का सुख और प्राप्ति, हर शक्ति और ज्ञान के राज को, योग की हर विधि को, साथ-साथ धारणा में भी अनुभवीमूर्त बनें। इसलिए अपनी चेकिंग करते रहो और आगे बढ़ते रहो। कोई भी प्राप्ति में कमी होगी तो ड्रामा अनुसार परीक्षायें भी समय प्रमाण वही आयेंगी जिसकी कमजोरी है। इसलिए सभी सब्जेक्ट में सम्पन्न और सम्पूर्ण की चेकिंग करो और चेन्ज करो। बापदादा आपके साधारण स्वरूप में भी आपके भविष्य का रूप सर्व प्राप्तियों का रूप देख रहे हैं। इसलिए समय को देखते अपने स्वरूप में स्थित होकर अपनी स्थिति बनाओ यही बापदादा की सर्व बच्चों प्रति शुभ इच्छा है।

अच्छा सभी को बहुत-बहुत याद, ओम शान्ति